भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2568

11 अगस्त, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष ग्रिड के उद्देश्य

2568. श्री येरेम वेंकट सुब्बा रेड्डी:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आयुष ग्रिड के लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;

(ख) क्या आयुष ग्रिड को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के साथ एकीकृत किया गया है; और

(ग) प्रारम्भ की गई आयुष आईटी पहलों तथा वर्तमान में जारी पहलों का ब्यौरा क्या है और प्राचीन ग्रंथों आदि के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं चैटबॉट का उपयोग किस प्रकार किया जा रहा है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): आयुष मंत्रालय द्वारा शुरू की गई आयुष ग्रिड परियोजना की परिकल्पना आयुष क्षेत्र के लिए एक व्यापक आईटी आधार स्तंभ के रूप में की गई है, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं की प्रदायगी, अनुसंधान, शिक्षा, औषधि प्रशासन, क्षमता निर्माण तथा औषधीय पादपों से संबंधित कार्यों में डिजिटीकरण को बढ़ावा देना तथा पारदर्शिता, कार्यकुशलता और सुशासन को सुदृढ़ करना है।

(ख): जी हाँ, आयुष मंत्रालय द्वारा आयुष ग्रिड पहल के अंतर्गत आयुष अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (एएचएमआईएस) बनाई गई है, जो आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के अनुरूप है।

(ग): आयुष ग्रिड परियोजना आयुष क्षेत्र के आईटी आधार स्तंभ के रूप में कार्य करती है तथा स्वास्थ्य सेवा, अनुसंधान एवं संवर्धन, शिक्षा एवं जागरूकता आदि कार्यात्मक क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल) जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों तथा अन्य प्रौद्योगिकियों के एकीकरण के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन को गति प्रदान करती है।

इस पहल के तहत, चौबीस ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं तथा उन्हें देशभर में उपयोग के लिए सुलभ बनाया गया है। आयुष मंत्रालय के मास्टर पोर्टल माई आयुष इंटीग्रेटेड सर्विसेज पोर्टल (एमएआईएसपी) के माध्यम से आयुष से संबंधित सभी एप्लीकेशनों एवं सेवाओं को एकीकृत कर एक एकीकृत डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र उपलब्ध कराया गया है। पोर्टल पर उपयोगकर्ताओं की सहायता करके तथा उनके उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से एक एआई आधारित चैटबॉट (बीटा संस्करण) भी उपलब्ध कराया गया है। यह पोर्टल नागरिकों को विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं

तक सुगम पहुँच की सुविधा प्रदान करता है तथा वास्तविक निगरानी करने एवं डेटा-आधारित निर्णय लेने में सक्षम बनाता है। (विवरण **maisp.ayush.gov.in** पर उपलब्ध है)

इसी प्रकार, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के अनुरूप आयुष अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (एएचएमआईएस) को स्वास्थ्य सेवाओं की प्रदायगी के डिजिटीकरण तथा आयुष स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रबंधन में सुधार के उद्देश्य से कार्यान्वित किया गया है। आयुष अनुदान पोर्टल ने मंत्रालय की विभिन्न केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता संबंधी प्रस्तावों के प्रस्तुतिकरण, प्रसंस्करण, अनुमोदन एवं निगरानी की प्रक्रिया को सरल और सुव्यवस्थित किया है। एआई आधारित आयुष अनुसंधान पोर्टल 43,000 से अधिक सुव्यवस्थित आयुष अनुसंधान प्रकाशनों के एक केंद्रीकृत डिजिटल भंडार के रूप में कार्य करता है तथा अनुसंधानकर्ताओं, चिकित्सकों और नीति-निर्माताओं की इन प्रकाशनों तक पहुँच सुगम बनाता है।

आयुष निवेश सारथी पोर्टल आयुष क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए एक समर्पित प्रवेश-द्वार के रूप में कार्य करता है। इस पोर्टल पर निवेश के अवसरों को बढ़ावा देने के संबंध में विस्तृत जानकारी उपलब्ध है। ई-चरक पोर्टल औषधीय पादप क्षेत्र के लिए एक आभासी बाज़ार और सूचना मंच के रूप में कार्य करता है, जो किसानों, संग्राहकों, क्रेताओं, निर्माताओं एवं निर्यातकों को जोड़ता है और पोर्टल पर उपयोगकर्ताओं के प्रश्नों के समाधान के लिए एआई आधारित सहायक की सुविधा भी उपलब्ध कराता है।

इसके अतिरिक्त, आयुष ग्रिड के तहत बनाई गई आयुर्वेद ग्रंथ समुच्चय डिजिटल लाइब्रेरी तथा आयुष मंत्रालय के केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) द्वारा बनाए गए आयुष पांडुलिपि उन्नत भंडार (एएमएआर), आयुर्वेद की ऐतिहासिक विरासत का प्रदर्शन (एसएएचआई) और ई-मेडिकल हेरिटेज एक्सेसन (ई-मेधा) जैसे डिजिटल मंच प्राचीन ग्रंथों एवं पांडुलिपियों के डिजिटीकरण में सहायक हैं।

समग्र रूप से, सभी ई-गवर्नेंस उपकरण सर्वसामान्य के लिए सुलभ हैं और इनके माध्यम से सेवाओं की प्रदायगी को सुदृढ़ करने, कार्य-संचालन की दक्षता में सुधार करने तथा पारदर्शिता एवं जवाबदेही को बढ़ाने में सहायता मिली है।

*****